

This question paper contains 4+2 printed pages]

2641-P

II Year Arts EXAMINATION, 2018

SANSKRIT

Paper I

(नाटक, छन्द एवं अलंकार)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : 20]

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : 50]

Answer five questions (250 words each),

selecting one question from each Unit.

All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Part C (खण्ड 'स') [Marks : 30]

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

कोई दो प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

इकाई I

- (i) अभिज्ञानशाकुन्तल में कितने अंक हैं और प्रथम अंक का क्या नाम है ?
- (ii) राजाओं के लिए शिकार के क्या-क्या लाभ हैं ?

इकाई II

- (iii) किस ऋषि ने शकुन्तला को श्राप दिया ?
- (iv) महर्षि कण्व के शिष्यों के क्या नाम थे ?

इकाई III

- (v) 'अनिर्वर्णनीयं परकलत्रम्' कथन किसने किसको कहा ?
और अर्थ समझाइये।
- (vi) सानुमती किसकी सखी थी ?

इकाई IV

(vii) आर्या छन्द के तृतीय चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं ?

(viii) वंशस्थ छन्द के प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं ?

इकाई V

(ix) 'व्यतिरेक' अलंकार का लक्षण लिखिए।

(x) 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण लिखिए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

असंशय क्षत्रपतिग्रहक्षमा, यदार्यमस्यामभिलाषि मे मनः।

सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु, प्रमाणमन्तः करणप्रवृत्तयः॥

अथवा

शमप्रधानेषु तपोधनेषु, गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।

स्पर्शानुकुला इव सूर्यकान्तास्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति॥

इकाई II

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

अर्थो हि कन्या परकीय एव, तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।

जातो ममायं विशदः प्रकामं, प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥

अथवा

शुश्रूषस्व गुरून् कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने,

भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,

यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः ॥

इकाई III

4. सप्रसंग संस्कृत में व्याख्या कीजिये :

यो हनिष्यति वध्यं त्वां रक्ष्यं रक्षिष्यति द्विजम्।

हंसो हि क्षीरमादत्ते तन्मिश्रा वर्जयत्यपः ॥

अथवा

दिष्ट्या शकुन्तला साध्वी सदपत्यमिदं भवान्।

श्रद्धा वित्तं विधिश्चेति त्रितयं तत् समागतम्॥

इकाई IV

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो छन्दों के गणनिर्देशनपूर्वक लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

- (i) वसन्ततिलका
- (ii) शिखरिणी
- (iii) द्रुतविलम्बित
- (iv) उपजाति।

इकाई V

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

- (i) दीपक
- (ii) निदर्शना
- (iii) अर्थान्तरन्यास
- (iv) स्वभावोक्ति।

खण्ड 'स'

7. शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए।
8. अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।
9. नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तल की समीक्षा कीजिए।
10. निम्नलिखित छन्दों के गणनिर्देशनपूर्वक लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :
 - (i) मन्दाक्रांता
 - (ii) शार्दूलविक्रीडितम्।
11. निम्नलिखित अलंकारों की लक्षण एवं उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :
 - (i) रूपक
 - (ii) दृष्टान्त।